॥ आश्रयाष्टकम् ॥

.. ashrayAShTakam ..

sanskritdocuments.org

July 25, 2016

Document Information

Text title : AshrayAShTakam
File name : aashrayaashtakam.itx
Category : aShTaka
Location : doc_deities_misc
Language : Sanskrit
Subject : Hinduism/religion/traditional
Transliterated by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net
Proofread by : Antaratma antaratma at Safe-mail.net
Latest update : April 23, 2008
Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com
Site access : http://sanskritdocuments.org

॥ आश्रयाष्टकम् ॥

गिरिचरं करुणामृत सागरं
परिचरं परमं मृगयापरम् ।
सुरुचिरं सुचराचरगोचरं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ १
प्रणतसञ्चयचिन्तित कल्पकं
प्रणतमादिगुरुं सुरशिल्पकम् ।
प्रणवरञ्जित मञ्जुळतल्पकं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ २
अरिसरोरुहशंखगदाधरं
परिघमुद्गरबाणधनुर्धरम् ।
क्षुरिक तोमर शक्तिलसत्करं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ३
विमलमानस सारसभास्करं
विपुलवेत्रधरं प्रयशस्करम् ।
विमतखण्डन चण्डधनुष्करं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ४
सकलल्लोक नमस्कृत पादुकं
सकृदुपासक सज्जनमोदकम् ।
सुकृतभक्तजनावन दीक्षकं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ५
शरणकीर्तन भक्तपरायणं
चरणवारिधरात्मरसायनम् ।
वरकरात्तविभूति विभूषणं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ६
मृगमदाङ्कित सत्तिलकोज्वलं
मृगगणाकलितं मृगयाकुलम् ।
मृगवरासनमद्भुत दर्शनं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ७
गुरुवरं करुणामृत लोचनं
निरुपमं निखिलामयमोचनम् ।
पुरुसुखप्रदमात्मनिदर्शनं
हरिहरात्मजमीश्वरमाश्रये ॥ ८
आश्रयाष्टकं सम्पूर्णम् ॥

Encoded and proofread by Antaratma antaratma at Safe-mail.net

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted for promotion of any website or individuals or for commercial purpose without permission.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

.. ashrayAShTakam ..
was typeset on July 25, 2016

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*